# ना यूँ घनश्याम तुमको दु:ख से घबरा कर के छोड़ूंगा

ना यूँ घनश्याम तुमको दु:ख से,
घबरा कर के छोड़ूंगा,
जो छोड़ूंगा तो कुछ मैं भी,
तमाशा कर के छोड़ूंगा,
ना यूं घनश्याम तुमको दु:ख से,
घबरा कर के छोड़ूंगा,
ना यूं घनश्याम।bd।

---

अगर था छोड़ना मुझको,
तो फिर क्यूं हाथ पकड़ा था,
जो अब छोड़ा तो मैं जाने,
ना क्या क्या करके छोड़ूंगा,
ना यूं घनश्याम तुमको दु:ख से,
घबरा कर के छोड़ूंगा,
ना यूं घनश्याम।bd।

---

मेरी रुस्वाइयाँ देखो,
मजे से शौक से देखो,
तुम्हें भी मैं सरे बाजार,
रुसवा कर के छोड़ूंगा,
ना यूं घनश्याम तुमको दु:ख से,
घबरा कर के छोड़ूंगा,
ना यूं घनश्याम।bd।

---

तुम्हें है नाज ये बेदर्द,
रहता है तुम्हारा दिल,
मैं उस बेदर्द दिल में दर्द,
पैदा कर के छोड़ूंगा,
ना यूं घनश्याम तुमको दु:ख से,
घबरा कर के छोड़ूंगा,
ना यूं घनश्याम।bd।

---

निकाला तुमने अपने दिल के,
जिस घर से उसी घर पर,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अगर द्रग 'बिन्दु' जिंदा है तो,
कब्जा कर के छोड़ूंगा,
ना यूं घनश्याम तुमको दु:ख से,
घबरा कर के छोड़ूंगा,
ना यूं घनश्याम।bd।

---

ना यूँ घनश्याम तुमको दु:ख से,
घबरा कर के छोड़ूंगा,
जो छोड़ूंगा तो कुछ मैं भी,
तमाशा कर के छोड़ूंगा,
ना यूं घनश्याम तुमको दु:ख से,
घबरा कर के छोड़ूंगा,
ना यूं घनश्याम।bd।

स्वर – श्री राजेश्वरानंद जी महाराज।

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com